RENAISSANCE (PART-3)

For :U.G.Part-1,Paper-2

पुनर्जागरण की शुरुआत इटली से ही क्यों ?

पुनर्जागरण का प्रसार समस्त यूरोप में हुआ किंतु 14 वीं सदी के प्रारंभ में इसकी शुरुआत इटली से हुई। इसके निम्नलिखित कारण थे :

1. इटली की भौगोलिक स्थिति अनुकूल थी। वह भूमध्य सागर के मध्य में स्थित था।अतः इटली व्यापार का केंद्र बना । व्यापारिक केंद्र होने से भौतिक संपन्नता आई और इस संपन्नता ने सांस्कृतिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया।
2. व्यापारी गतिविधियों के कारण मिलान, नेपल्स, फ्लोरेंस वेनिस आदि नगरों की स्थापना हुई। उन बड़े नगरों में संग्रहालय, सार्वजनिक पुस्तकालयों, नाट्यशालाओं की स्थापना संभव हुई। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी संस्थाओं के विकास करने की क्षमता नहीं होती है।
3. इटली की समृद्धि से व्यापारिक मध्यम वर्ग का उदय हुआ। इसने सामंतों और पोप की परवाह करना बंद कर

Scanned with CamScanner

दिया। समृद्ध वर्ग ने साहित्यकारों, कलाकारों को प्रश्रय दिया। इनमें दांते,पेट्रार्क,एन्जेलो, लियानार्डो आदि प्रमुख थे। इन विद्वानों ने पुनर्जागरण चेतना का प्रसार किया। इटली में व्यापार के विकास के साथ नई प्रकार की शिक्षा का विकास हुआ जिसमें व्यावसायिक ज्ञान, भौगोलिक ज्ञान आदि को महत्व दिया गया जबकि उत्तरी यूरोपीय विश्वविद्यालय में धर्म शास्त्रों के अध्ययन पर ही विशेष बल दिया गया। रोमन विधि, चिकित्सा जैसे धर्मनिरपेक्ष उपयोगी शिक्षा के कारण इटली में पुनर्जागरणकालीन चेतना का विकास हुआ।

4. प्राचीन रोमन साम्राज्य के अवशेष इटली में विद्यमान थे क्योंकि रोम इटली का ही प्रमुख नगर था। वस्तुतः इटालियन नगर में ही प्राचीन गौरवपूर्ण साम्राज्य के अवशेष बचे थे जो इतालवी मानस पर गहरा प्रभाव डालते थे ।यही वजह है कि प्राचीन रोमन संस्कृति पुनर्जागरण का प्रेरणा स्रोत बनी जिसे दांते की रचनाओं में देखा जा सकता है।
5. इटली में रोम के वेटिकन स्थान पर पोप का निवास था जो ईसाई जगत का प्रधान था। कुछ पोपों ने पुनर्जागरण की भावना से प्रभावित होकर विद्वानों, कला एवं साहित्य को

Scanned with CamScanner

संरक्षण प्रदान किया ।उनमें एक प्रमुख था- पोप निकोलस पंचम(1447-1455 ई.) जिसने वेटिकन पुस्तकालय की स्थापना की।

6. राजनीतिक दृष्टि से भी इटली पुनर्जागरण के लिए उपयुक्त था क्योंकि उत्तरी इटली में स्वतंत्र नगर राज्यों का विकास हो गया था और सामंती प्रथा भी अधिक दृढ नहीं थी।फलतः उदारवादी एंव स्वतंत्र विचारों के विकास का माहौल तैयार हुआ।
7. कुस्तुनतुनिया यूनानी विद्वानों का प्रमुख केंद्र था। 1453 ई में वहां तुर्की का आधिपत्य हो जाने से वहां के विद्वान अपने प्राचीन ग्रंथ और महत्वपूर्ण पुरातात्विक सामग्री लेकर भागे और सर्वप्रथम इतालवी नगरों में शरण लिया। इन नवागत विद्वानों की संख्या इतनी अधिक थी कि लगता था कि -यूनान का पतन नहीं हुआ बल्कि उसका इटली में प्रवजन हो गया है। इनमें से अनेक विद्वान इटली के स्कूल तथा विश्वविद्यालय में शिक्षक नियुक्त हुए और इस वर्ग ने नवीन चेतना के प्रसार में महती भूमिका निभाई ।
8. इटली अनेक विद्वानों जैसे दांते, गियाटो,पेट्राक, लियोनार्डो द विंची का जन्म स्थली रहा है। इन विद्वानों ने अपने

Scanned with CamScanner

ग्रंथों तथा लेखनी के माध्यम से पुनर्जागरण को बल प्रदान किया।

9. इटली में पुनर्जागरण का वजह उस प्रायद्वीप में विभिन्न जातियों का संलयन भी रहा है। इन जातियों में गाथ, लोंबार्ड, फ्रैंक, अरब, नारमन और जर्मन जातियाँ प्रमुख थी रोमन, बैजनटाइन, अरब सभ्यताओं के पारस्परिक संपर्क और संलयन के फलस्वरुप मानसिक उन्नयन तथा व्यापक सामाजिक व बौद्धिक आंदोलनों का होना स्वाभाविक ही था।

To be continued....

BY :ARUN KUMAR RAI
Asst.Professor,
P.G.Dept.of History,
Maharaja College,
Ara.

Scanned with CamScanner